

प्रेषक,

सी० मास्कर,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उरेडा,
देहरादून।

ऊर्जा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: २५ मार्च, 2008

विषय:- केदारनाथ-I लघु जल विद्युत परियोजना, क्षमता 100 कि०वा० के सुदृढीकरण हेतु वित्तीय एवम् प्रशासनिक स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं०-2538/उरेडा/4(1)/62/केदारनाथ/2007, दि०-17.01.08 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि केदारनाथ-I लघु जल विद्युत परियोजना, विकास खण्ड-ऊखीमठ, जनपद रुद्रप्रयाग के सुदृढीकरण कार्यों हेतु आपके उक्त सन्दर्भित पत्र द्वारा कुल आगणित धनराशि रु०-21.00/(रु० इक्कीस लाख मात्र) के सापेक्ष वित्त विभाग की टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण धनराशि रु०-16.16 लाख (रु० सोलह लाख सोलह हजार मात्र) की प्रशासकीय स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं :-

- 1- स्वीकृत लागत के सापेक्ष 10 प्रतिशत धनराशि उपभोगकर्ता/समापनकर्ता द्वारा वहन की जायेगी एवं शेष 90 प्रतिशत धनराशि व्यय वहन उरेडा द्वारा किया जायेगा।
- 2- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 3- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के सक्षम अधिकारी द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों का, जो दरें शैड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी राशि स्वीकृत की गयी है, स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 5- एक मुश्त प्राविधानों को, कार्य करने से पूर्व, विस्तृत ब्योरा गठित कर सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन कराना आवश्यक होगा।
- 6- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित किया जाय।
- 7- आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 8- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।



क्रमशः.....

(2)

- 9- आगणन में ली गयी मदों की आपूर्ति, वृहद् प्रचार-प्रसार के उपरान्त प्रतिस्पर्धात्मक दरों के आधार पर ली जाय।
- 10- परियोजना पर व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय पुस्तिका, स्टोर पर्चेज रूल्स, डी0जी0एम0 एण्ड डी0 अथवा टैण्डर/कुटेशन विषयक नियम एवम् मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन करते हुये व्यय किया जायेगा। मितव्ययता की मदों में कटौती करने के प्रयास किये जायेंगे।
- 11- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय अनुदान संख्या 21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2810-वैकल्पिक ऊर्जा-60 ऊर्जा के अन्य स्रोत-800 अन्य व्यय-01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्रीय पुरोनिधानित योजना के अन्तर्गत अंशपोषित योजनायें-01-लघु जल विद्युत एवम् सुधारित घराट योजना-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता शीर्षक/मद के अन्तर्गत आवंटित धनराशि व प्राप्त केन्द्रांश के सापेक्ष किया जायेगा। यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं0-260 दिनांक-15 मार्च, 2008 से प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सी0 भास्कर)
अपर सचिव।

संख्या: ५५२/१/२००८-०३(३)/६/०८, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, ओवरॉय बिल्डिंग, भाजरा, देहरादून।
- 2- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
- 3- टी0ए0सी0 (वित्त), उत्तराखण्ड शासन।
- 4- वित्त अनुभाग-2,
- 5- निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा, से,

(एम0एम0 सेमवाल)
अनु सचिव